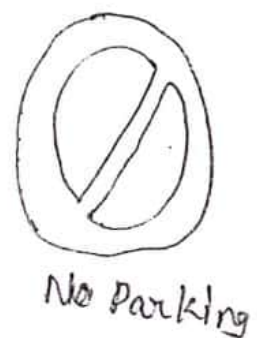
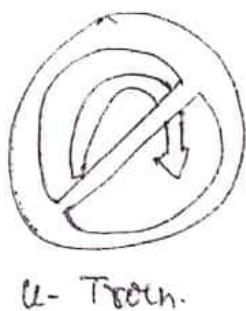
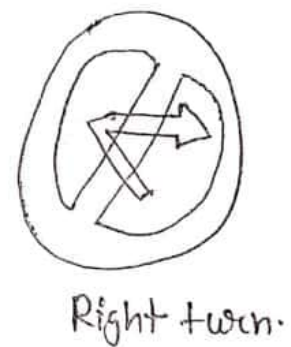
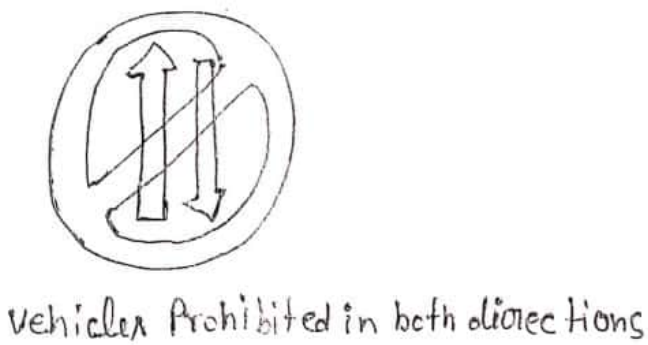
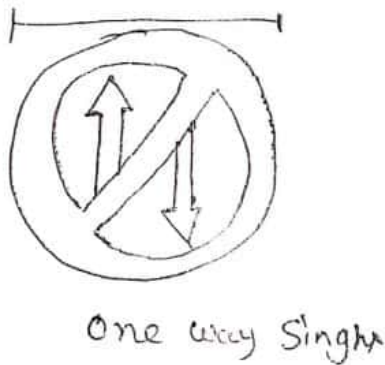
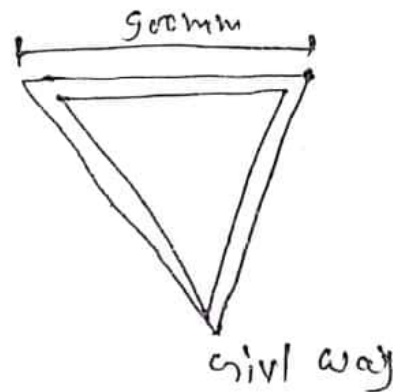
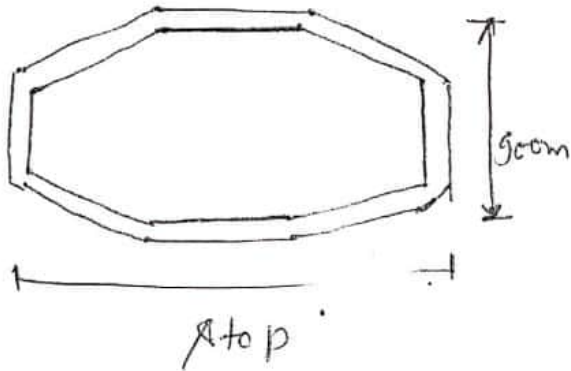
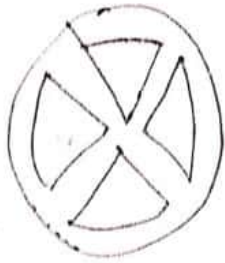


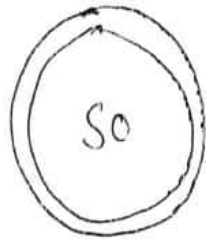
यातायात संकेतों के निम्न प्रकार के होते हैं।

⇒ आदेश संकेत (Mandatory signs):-

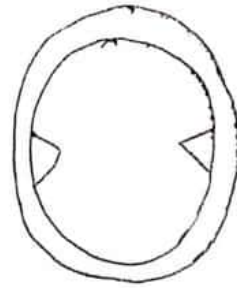




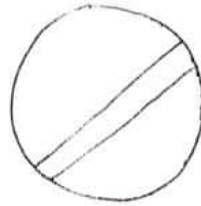
No stopping or standing.



Speed limit

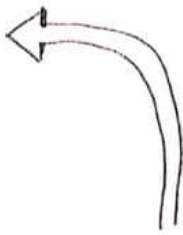


width limit

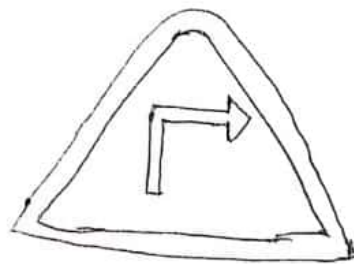


Restriction ends sign.

चेतावनी संकेत (Warning signs):-



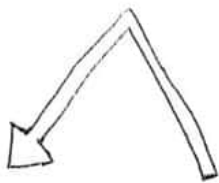
Left side curve



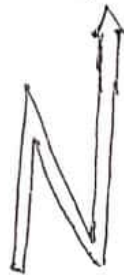
Typical cautionary sign.



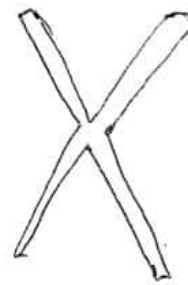
Right side curve.



Hair pin bend left



Rev



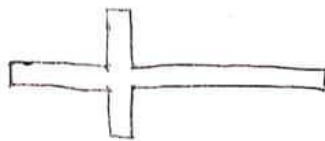
Cross road



side road right



Intersection



major road ahead



Narrow bridge

1. सड़क दुर्घटनाओं के कारण :-

- (i) सड़क पर यातायात का बहुत होना।
- ii- सड़क की चौड़ाई कम होना, लीखें बरफ होना आदि।
- iii- वाहनों की लापरवाही, अकुशलता, अतिक्रम लक्ष्यवाही होना।
- iv- वाहनों के ट्रैक, टायर, हार्न आदि हीन प्रकार के होना।
- v- सड़क पर जल धराव अथवा फिसलन होना।
- vi- पशुओं का सड़क पर घूमना।
- vii- यातायात के नियमों की सही जागरूकी नहीं होना।
- viii- खराब अथवा धुंधला जरा मौसम होना।
- ix- तीव्र गति व दोगी गति वाहनों के लिए अलग-अलग पथ न होना।

ii सड़क दुर्घटना रोकने के उपाय :-

- i- सड़क सम्बन्धी नियमों की उचित जागरूकी उपलब्ध करवाकर।
- ii- सड़क नियमों का उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध उचित कार्यवाही करके।
- iii- यातायात की आवश्यकतानुसार सड़क का सही अभिक्रम होना चाहिए।
- iv- दुर्घटना होने पर दुर्घटना के कारणों की जाँच व भरोसा प्रदान के उपाय किये जाने चाहिए।
- v- वाहन चालकों को लासेन्स देते समय उनकी कुशलता की ठीकी जाँच की जानी चाहिए।